TDC SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
AEC/MIL- 101
Credit - 2
HINDI COMMUNICATION
हिन्दी संप्रेषण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को संप्रेषण के प्रकार, प्रक्रिया के रूप में हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित करना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी संप्रेषण के प्रमुख माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा के तत्वों को जान पाएंगे तथा हिन्दी भाषा की व्याकरणिक संरचना से अवगत हो पाएंगे।

इकाई एक : संप्रेषण और उसका स्वरूप

1.1– संप्रेषण का अर्थ, उद्‌देश्य एवं महत्त्व

1.2–संप्रेषण के प्रकार : वाचिक संप्रेषण एवं अवाचिक संप्रेषण। प्रत्यक्ष संप्रेषण (एक व्यक्ति, एक से अधिक व्यक्तिओं से, समूह से) एवं अप्रत्यक्ष संप्रेषण(रेडियो, टी. वी समाचारपत्र आदि द्वारा) तथा मौखिक संप्रेषण और लिखित संप्रेषणज्ञं

इकाई दो : संप्रेषण की प्रक्रिया

2.1– संप्रेषण की प्रक्रिया। मौखिक संप्रेषण के स्तर : श्रवण, उच्चारण, वाचन, पुनश्चर्या, बोधन, वार्तालाप, वर्णन, पुनराभिव्यक्ति, प्रश्नोत्तर, भाषण, वाद–विविवाद, परिचर्चा आदि।

2.2– प्रभावशाली संप्रेषण के तत्व : शब्द चयन एवं वाक्य रचना, उच्चारण, स्वरनियंत्रण, अनुतान, बलाघात, लय, गति, माधुर्य, हाव–भाव एवं मुद्राएँ तथा विषयानुकूल शैली।

इकाई तीन : हिंदी की वर्ण और शब्द व्यवस्था का परिचय

3.1 – हिंदी की स्वर और व्यंजन ध्वनियाँ तथा मानक वर्तनी।

3.2 –संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का सामान्य परिचय।

3.3–हिंदी में शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय, समास और संधि)। विलोम और पर्यायवाची शब्द।

इकाई चार –हिंदी वाक्य रचना

4.1.– वाक्य और उपवाक्य।

4.2– अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य भेद। वाक्य रूपांतरण।

इकाई पाँच : रचना कौशल

5.1– किसी यात्रा या समारोह का वर्णन

5.2– सामान्य पत्र लेखन
5.3– सार लेखन अथवा पल्लवन

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और 02 क्रेडिट का है।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 50 अंकों का है। मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 50 अंक निर्धारित हैं।
3. मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 18 अंक हैं। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि 2 घंटा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी संप्रेषण

1. व्यावहारिक व्याकरण और वार्तालाप :चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी, केंद्रीय हिंदी संस्थान,
2. हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
3. प्रयोजन मूलक हिंदी और पत्रकारिता , डॉ निदेश प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. अभिव्यक्ति विज्ञान : भोलानाथ तिवारी तथा कृष्णदत्त शर्मा
5. हिंदी रचना और व्याकरण : रमानाथ सहाय, रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एनसीईआरटी, दिल्ली।
6. मौखिक कौशल खंड–1 एवं खंड–2 रवी प्रकाश गुप्त और अजेय पंडित, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005।
7. संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप : सुरेश कुमार
8. भाषा प्रौद्योगिकी : सुभाष चौधरी, डी.पी.एस. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली–52।